Ans. (d) : राजस्थान में बूंदी का कजली तीज का त्यौहार एवं मेला प्रसिद्ध है। यह त्यौहार तथा मेला भाद्र कृष्ण तृतीया को मनाया जाता है। कजली तीज को बड़ी तीज, सातुड़ी तीज तथा बूढ़ी तीज भी कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लम्बी आयु के लिए और अविवाहित युवतियाँ अच्छे वर की कामना के लिए व्रत रखती हैं।

511. 'बूढ़ी तीज' मनायी जाती है-

(a) भाद्रपद कृष्ण तृतीया
(b) श्रावण शुक्ल तृतीया
(c) श्रवण कृष्ण तृतीया
(d) भाद्रपद शुक्ल तृतीया

JEN Civil Degree Exam Date - 16.10.2016

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

512. राजस्थान में बड़ी तीज का त्यौहार मनाया जाता है–

(a) भाद्रपद शुक्ल तृतीया (b) भाद्र कृष्ण तृतीया
(c) चैत्र कृष्ण तृतीया (d) श्रावण कृष्ण तृतीया

पटवार भर्ती परीक्षा -2021
कनिष्ठ अभियंता (सिविल डिग्री धारक)-18.05.2022
RPSC School Lect. -2017
RPSC वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 दिनांक 13-11-2022

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

513. आखा तीज किस माह में आती है?

(a) वैशाख कार्तिक (b) कार्तिक
(c) चैत्र (d) फाल्गुन

Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022

Ans. (a) : आखा तीज, बैशाख माह में आती है। यह बैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है अक्षय तृतीया को आखा तीज के नाम से भी जाना जाता है।

514. कौन से महिने में तीज का त्यौहार मनाया जाता है?

(a) श्रावण (b) चैत्र
(c) बैशाख (d) माघ

महिला सुपरवाइजर भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) – तीज का त्यौहार राजस्थान राज्य का प्रमुख त्यौहार है। यह त्यौहार श्रावण मास में मनाया जाता है। यह दो रूपों छोटी तीज व बड़ी तीज के रूप में मनाया जाता है।

515. छोटी तीज का त्यौहार हिन्दू पंचांग के अनुसार किस माह में मनाया जाता है?

(1) चैत्र (2) श्रावण (3) भाद्रपद (4) कार्तिक
उत्तर–(2)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

516. प्रदेश का पहला तीन दिवसीय 'आर्किड फेस्टिवल' कहाँ सम्पन्न हुआ?

(a) जैसलमेर (b) जोधपुर
(c) उदयपुर (d) झालावाड़

RPSC ST-81 G.K. & Horticulture 28-10-2018

Ans. (c) : राजस्थान में पहली बार तीन दिवसीय आर्किड फेस्टिवल उदयपुर जिले में सम्पन्न हुआ। इसका आयोजन राज्य वन विभाग द्वारा किया गया था। भारत में आर्किड प्रजाति की सर्वाधिक संख्या अरूणाचल प्रदेश में पाई जाती है।

517. गणगौर का त्यौहार किस तिथि को मनाया जाता है?

(a) फाल्गुन शुक्ल तृतीया (b) पौष शुक्ल तृतीया
(c) माघ शुक्ल तृतीया (d) चैत्र शुक्ल तृतीया

House Keeper-2022
Lab Asst. (Home Sci.)-30.06.2022
कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) परीक्षा -2019
RPSC वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 दिनांक 13-11-2022

Ans. (d) : गणगौर या गौरी तीज का त्यौहार चैत्र शुक्ल तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर त्यौहार 18 दिन का त्यौहार जो चैत्र माह के पहले दिन से शुरू होता है गणगौर पूजा भगवान शिव और देवी पार्वती को समर्पित है। इस दिन को सौभाग्य तीज के नाम से भी जाना जाता है। यह मुख्य रूप से चैत्र शुक्ल पंचमी को मनाया जाता है।

518. राजस्थान के कौन से क्षेत्र में चैत्र शुक्ल पंचमी को गुलाबी गणगौर मनायी जाती है?

(a) नाथद्वारा (b) उदयपुर
(c) बूंदी (d) जोधपुर

RPSC RAS/RTS -2016
प्रयोगशाला सहायक -2018
48 LA2018_Question Paper Code-48

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

519. निम्न में से बीकानेर का स्थापना दिवस कौन सा है?

(a) कृष्ण जन्माष्टमी (b) शीतलाष्टमी
(c) अक्षय तृतीया (d) राम नवमी

RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I

Ans. (c) : मारवाड़, शासक राव जोधा के पुत्र राव बीका (1465-1504 ई.) ने जांगल प्रदेश के अनेक गाँवों पर अधिकार कर लिया था और उस क्षेत्र पर शासन करने लगा। राव बीका ने इसी भू-भाग पर 1486 ई. में बीकानेर की स्थापना की तथा उसे राठौड़, सत्ता का दूसरा केन्द्र बनाया था। बीकानेर का स्थापना दिवस अक्षय तृतीया को मनाया जाता है।

520. अक्षय तृतीया निम्न में से किस शहर का स्थापना दिवस है?

(a) कोटा (b) डंगरपुर
(c) बीकानेर (d) अजमेर

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (c) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

521. राजस्थान में ग्रीष्म उत्सव कहाँ मनाया जाता है?

(a) जयपुर (b) पुष्कर
(c) जोधपुर (d) माउंट आबू

Head Cleark Combined Exam-2018

Ans. (d) : राजस्थान में ग्रीष्म महोत्सव माउंट आबू में मनाया जाता है। माउंट आबू में इस महोत्सव का आयोजन मई महीने में किया जाता है। माउंट आबू राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन है।

522. दीपदान परम्परा का सम्बन्ध .... पवित्र शहर से है।

(a) पुष्कर (b) सालासर
(c) खाटू श्याम (d) गोगामेड़ी

Udyog Nirikshak Exam (Code-38)-2018

Ans. (a) : पुष्कर मेले के दौरान पुष्कर के सभी 52 घाटों पर दीपदान तथा महाआरती होती है, जिसमें संतो की पदयात्रा तथा शंखवादन किया जाता है। दीपदान के इस परम्परा के बाद ही पुष्कर सरोवर में स्नान के साथ मेला समाप्त होता है।